

## वैकल्पिक विषय - भूगोल

### प्रश्नपत्र-1

#### भूगोल के सिद्धांत (Principles of Geography)

#### प्राकृतिक भूगोल (Physical Geography)

- भूआकृतिक विज्ञान:** भूआकृतिक विकास के नियंत्रक कारक; अंतरजात एवं बहिरजात बल; भूपरपटी का उदगम एवं विकास; भू-चुंबकत्व के मूल सिद्धांत; पृथ्वी के अंतरंग की प्राकृतिक दशाएँ; भू-अभिनति; महाद्वीपीय वसिस्थापन; समस्थिति; प्लेट विवर्तनिकी; पर्वतोत्पत्तिके संबंध में अभिनव विचार; ज्वालामुखीयता; भूकंप एवं सुनामी, भूआकृति चक्र एवं दृश्यभूमि विकास की संकल्पनाएँ; अनाच्छादन कालानुक्रम; जलमार्ग आकृतिक विज्ञान; अपरदन पृष्ठ; प्रवणता विकास; अनुप्रयुक्त भूआकृति विज्ञान; भूजल विज्ञान, आर्थिक भूविज्ञान एवं पर्यावरण ।
- जलवायु विज्ञान:** विश्व के ताप एवं दाब कटबंध; पृथ्वी का तापीय बजट; वायुमंडल परसंचरण; वायुमंडल स्थिरता एवं अस्थिरता; भूमंडलीय एवं स्थानीय पवन; मानसून एवं जेट प्रवाह; वायु राशि एवं वाताग्रजनन; कोपेन, थॉर्नवेट एवं त्रेवारथा एवं त्रेवारथा का विश्व जलवायु वर्गीकरण; जलीय चक्र; विश्व जलवायु परिवर्तन एवं जलवायु परिवर्तन में मानव की भूमिका एवं अनुक्रिया; अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान एवं नगरी जलवायु ।
- समुद्र विज्ञान:** अटलांटिक, हिंदी एवं प्रशांत महासागरों की तलीय स्थलाकृति; महासागरों का ताप एवं लवणता; ऊष्मा एवं लवण बजट, महासागरीय नक्षेप; तरंग धाराएँ एवं ज्वार-भाटा; समुद्री संसाधन; जीवीय, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन; प्रवाल भित्तियाँ, प्रवाल वरिजन; समुद्र तल परिवर्तन; समुद्री नयिम एवं समुद्री प्रदूषण ।
- जीव भूगोल:** मृदाओं की उत्पत्ति; मृदाओं का वर्गीकरण एवं वितरण; मृदा परिच्छेदिका; मृदा अपरदन; न्यूनीकरण एवं संरक्षण; पादप एवं जंतुओं के वैश्विक वितरण को प्रभावित करने वाले कारक; वन अपरोपण की समस्याएँ एवं संरक्षण के उपाय; सामाजिक वानिकी; कृषि वानिकी; वन्य जीवन; प्रमुख जीन पूल केन्द्र ।
- पर्यावरणीय भूगोल:** पारस्थितिकी के सिद्धांत; मानव पारस्थितिकी अनुकूलन; पारस्थितिकी एवं पर्यावरण पर मानव का प्रभाव; वैश्विक एवं क्षेत्रीय पारस्थितिकी परिवर्तन एवं असंतुलन; पारितंत्र, उनका प्रबंधन एवं संरक्षण; पर्यावरणीय नमिनीकरण, प्रबंध एवं संरक्षण; जैव-विविधता एवं संपोषणीय विकास; पर्यावरणीय शिक्षा एवं अधिन ।

#### मानव भूगोल (Human Geography)

- मानव भूगोल में संदर्श:** क्षेत्रीय विभेदन; प्रादेशिक संश्लेषण; द्विभाजन एवं द्वैतवाद; पर्यावरणवाद; मात्रात्मक क्रांति एवं अवस्थिति विश्लेषण; उग्रसुधार, व्यावहारिक, मानवीय एवं कल्याण उपागम; भाषाएँ, धर्म एवं धर्मनिरपेक्षता; विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश; मानव विकास सूचकांक।
- आर्थिक भूगोल:** विश्व आर्थिक विकास; माप एवं समस्याएँ; विश्व संसाधन एवं उनका वितरण; ऊर्जा संकट; संवृद्धि की सीमाएँ; विश्व कृषि; कृषि प्रदेशों की प्रारूपता; कृषि निवेश एवं उत्पादकता; खाद्य एवं पोषण समस्याएँ; खाद्य सुरक्षा; दुर्भिक्ष; कारण, प्रभाव एवं उपचार; विश्व उद्योग, अवस्थानिक प्रारूप एवं समस्याएँ; विश्व व्यापार के प्रतमान ।
- जनसंख्या एवं बस्ती भूगोल:** विश्व जनसंख्या की वृद्धि और वितरण; जनसांख्यिकी गुण; प्रवासन के कारण एवं परिणाम; अंतरिक-अल्प एवं अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पनाएँ; जनसंख्या के सिद्धांत; विश्व की जनसंख्या समस्याएँ और नीतियाँ; सामाजिक कल्याण एवं जीवन गुणवत्ता; सामाजिक पूंजी के रूप में जनसंख्या; ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं प्रारूप; ग्रामीण बस्तियों में पर्यावरणीय मुद्दे; नगरीय बस्तियों का पदानुक्रम; नगरीय आकारिकी; प्रमुख शहर एवं श्रेणी आकार प्रणाली की संकल्पना; नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; नगरीय प्रभाव क्षेत्र; ग्राम नगर उपांत; अनुषंगी नगर; नगरीकरण की समस्याएँ एवं समाधान; नगरों का संपोषणीय विकास ।
- प्रादेशिक आयोजन:** प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकार एवं प्रदेशीकरण की विधियाँ; वृद्धि केन्द्र तथा वृद्धि ध्रुव; प्रादेशिक असंतुलन; प्रादेशिक विकास कार्यनीतियाँ; प्रादेशिक आयोजन में पर्यावरणीय मुद्दे; संपोषणीय विकास के लिये आयोजन ।
- मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धान्त एवं नयिम:** मानव भूगोल में तंत्र विश्लेषण; माल्थस का, मार्क्स का और जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल; क्रिस्टावर एवं लॉश का केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त; पेरू एवं बूदवर्गि; वॉन थ्यूनेन का कृषि अवस्थिति मॉडल, वेबर का औद्योगिक अवस्थिति मॉडल; ओसतोव का वृद्धि अवस्था मॉडल; अंतःभूमि एवं बहिःभूमि सिद्धान्त; अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ एवं सीमांत क्षेत्र के नयिम ।

### प्रश्नपत्र -2

#### भारत का भूगोल (Geography of India)

1. **भौतिक वन्यास:** पड़ोसी देशों के साथ भारत का अंतरिक्ष संबंध; संरचना एवं उच्चावच; अपवाह तंत्र एवं जल वभाजक; भू-आकृतिक प्रदेश; भारतीय मानसून एवं वर्षा प्रतरूप, उष्णकटबिंधीय चक्रवात एवं पश्चिमी वकिषोभ की क्रियावधि; बाढ़ एवं अनावृष्टि; जलवायवीय प्रदेश; प्राकृतिक वनस्पति; मृदा एवं उनका वतिरण ।
2. **संसाधन:** भूमि, सतह एवं भौमजल, ऊर्जा, खनजि, जीवीय एवं समुद्री संसाधन; वन एवं वन्य जीवन संसाधन एवं उनका संरक्षण; ऊर्जा संकट ।
3. **कृषि:** अवसंरचना, सचिाई, बीज, उर्वरक, वदियुत; संस्थागत कारक: जोत, भू-धारण एवं भूमि सुधार; शस्यन प्रतरूप, कृषि उत्पादकता, कृषि प्रकरष, फसल संयोजन, भूमि क्षमता; कृषि एवं सामाजिक वानकी; हरति क्रान्त एवं इसकी सामाजिक आर्थिक एवं पारसिथतिक वविकषा; वर्षाधीन खेती का महत्त्व; पशुधन संसाधन एवं श्वेत क्रान्त; जल कृषि, रेशम कीटपालन, मधुमक्खी पालन एवं कुक्कुट पालन; कृषि प्रादेशीकरण; कृषि जलवायवीय कषेत्तर; कृषि पारसिथतिक प्रदेश ।
4. **उद्योग:** उद्योगों का विकास; कपास, जूट, वस्त्रोद्योग, लौह एवं इस्पात, एल्युमिनियम, उर्वरक, कागज, रसायन एवं फार्मास्युटिकलस ऑटोमोबाइल, कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योगों के अवस्थिति कारक; सार्वजनिक कषेत्तर के उपकरमों सहति औद्योगिक संकुल; औद्योगिक प्रादेशीकरण; नई औद्योगिक नीति; बहुराष्ट्रीय कंपनयों एवं उदारीकरण; वशिष आर्थिक कषेत्तर; पारसिथतिक-पर्यटन समेत पर्यटन ।
5. **परविहन, संचार एवं व्यापार:** सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, हवाई मार्ग एवं पाइपलाइन नेटवर्क एवं प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका; राष्ट्रीय एवं वदिशी व्यापार वाले पत्तनों का बढ़ता महत्त्व; व्यापार संतुलन; व्यापार नीति; नरियात प्रक्रमण कषेत्तर; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में आया विकास और अर्थव्यवस्था तथा समाज पर उनका प्रभाव; भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम ।
6. **सांस्कृतिक वन्यास:** भारतीय समाज का ऐतहासिक परपिरेक्ष्य; प्रजातीय, भाषिक एवं नृजातीय वविधिताएँ; धार्मिक अल्पसंख्यक; प्रमुख जनजातयों, जनजातीय कषेत्तर तथा उनकी समस्याएँ; सांस्कृतिक प्रदेश; जनसंख्या की संवृद्धि, वतिरण एवं घनत्व; जनसांख्यिकीय गुण; लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर, कार्यबल, नरिभरता अनुपात, आयुकाल; प्रवासन (अंत: प्रादेशिक, प्रादेशांतर तथा अंतर्राष्ट्रीय) एवं इससे जुड़ी समस्याएँ, जनसंख्या समस्याएँ एवं नीतयों; स्वास्थ्य सूचक ।
7. **बस्ती:** ग्रामीण बस्ती के प्रकार, प्रतरूप तथा आकारिकी; नगरीय विकास; भारतीय शहरों की आकारिकी; भारतीय शहरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; सत्रनगर एवं महानगरीय प्रदेश; नगर स्वप्रसार; गंदी बस्ती एवं उससे जुड़ी समस्याएँ; नगर आयोजना; नगरीकरण की समस्याएँ एवं उपचार ।
8. **प्रादेशिक विकास एवं आयोजन:** भारत में प्रादेशिक आयोजन का अनुभव; पंचवर्षीय योजनाएँ; समन्वति ग्रामीण विकास कार्यक्रम; पंचायती राज एवं वकिंद्रीकृत आयोजन; कमान कषेत्तर विकास; जल वभाजक प्रबंध; पछिड़ा कषेत्तर, मरूस्थल, अनावृष्टि प्रबण, पहाड़ी, जनजातीय कषेत्तर विकास के लयि आयोजना; बहुस्तरीय योजना; प्रादेशिक योजना एवं द्वीप कषेत्तरों का विकास ।
9. **राजनैतिक परपिरेक्ष्य:** भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार; राज्य पुनर्रगठन; नए राज्यों का आवरिभाव; प्रादेशिक चेतना एवं अंतर्राज्यीय मुद्दे; भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा और संबंधति मुद्दे; सीमापार आतंकवाद; वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका; दक्षिण एशिया एवं हनिद महासागर परमिडल की भू-राजनीति ।
10. **समकालीन मुद्दे:** पारसिथतिक मुद्दे: पर्यावरणीय संकट: भू-खलन, भूकंप, सुनामी, बाढ़ एवं अनावृष्टि, महामारी; पर्यावरणीय प्रदूषण से संबंधति मुद्दे; भूमि उपयोग के प्रतरूप में बदलाव; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन एवं प्रबंधन के सिद्धान्त; जनसंख्या वसिफोट एवं खाद्य सुरक्षा; पर्यावरणीय नमिनीकरण, वनोन्मूलन, मरूस्थलीकरण एवं मृदा अपरदन; कृषि एवं औद्योगिक अशांति की समस्याएँ; आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताएँ; संपोषणीय वृद्धि एवं विकास की संकल्पना; पर्यावरणीय संचेतना; नदयों का सहवर्द्धन भूमंडलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था ।

**टपिपणी:** अभ्यर्थयों को इस प्रश्नपत्र में दयि गए वषियों से संगत एक मानचतिर-आधारति प्रश्न का उत्तर देना अनविर्य होगा ।